

## श्रम तथा रोजगार विभाग

दिनांक 17 जुलाई, 1984

सं० 2 (19)84-2श्रम--ठेका श्रम (विनियम और उत्सादन) अधिनियम, 1970 (1970 का केन्द्रीय अधिनियम 37) की धारा 10 की उपधारा (1) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल राज्य सलाहकार ठेका श्रम बोर्ड के परामर्श के पश्चात् इसके द्वारा हरियाणा में रबड़ उद्योग में निम्न विनिर्दिष्ट प्रचालनों में ठेका-श्रम नियोजन का निषेध करते हैं, अर्थात् :--

1. कनवेयर विभाग का केन्वेयर अनुभाग, विल्डिंग टेबल, प्रैस अनुभाग मरम्मत एवं सिरा (एण्ड) कटाई तथा निरीक्षण अनुभाग ।
2. मिक्सिंग मिल विभाग में रबड़ बेल कटिंग तथा तोल प्रक्रियाएं ।
3. बी-बेल्ट विभाग के ड्रम कटिंग, रेशा कटिंग से संबंधित संक्रियाएं, क्योरिंग प्रैस तथा चैम्बर अनुभाग ।
4. हाट बेल्टकेनार्डिंग, बी-बेल्ट पैकिंग तथा बी बेल्ट प्रेषण संक्रियाएं ।
5. कमंशाला में खरादियों तथा बेलडरों के लगाने वाली संक्रियाएं ।
6. फर्श तथा शौचालयों में झाड़ने पोछने तथा उन्हें साफ रखने सम्बन्धी संक्रियाएं ।
7. पैकिंग (पेटियों) के चटटे लगाने से सम्बन्धित संक्रियाएं ।
8. साइकिल ट्यूब बेक्यूमिंग तथा स्टाम्पिंग संक्रियाएं ।
9. माल निकास पम्प का प्रचालन ।
10. मालियों तथा मेहनतों के लगाने सम्बन्धी संक्रियाएं ।
11. विजली मिस्त्रियों, अनुरक्षण यांत्रिकों, फिटरों तथा बेलडरों के साथ लगे सहायक ।
12. फिटर, अनुरक्षण यांत्रिक, विजली मिस्त्री, बेलडर तथा धोबी ।
13. बायलर में कोयला डालने तथा बायलरों से राख हटाने संबंधी संक्रियाएं ।
14. कच्ची सामग्री भण्डार में कच्ची सामग्री के उठाने रखने से संबंधित संक्रियाएं ।

एम० सेठ,

सचिव, हरियाणा सरकार,  
श्रम तथा रोजगार विभाग ।

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 25 जुलाई, 1984

क्रमांक 893-ज(I)-84/20637.--श्री बुध राम, पुत्र श्री देवा राम, \* गांव वाटड़ा, तहसील दादरी, जिला भिवानी की दिनांक 6 अक्तूबर, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राजस्व, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जिस कि उसे हरियाणा राज्य में धपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अन्तर्गत प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री बुध राम को मृत्युशय्य 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1770-ज-(I)-76/30388, दिनांक 29 सितम्बर, 1976 द्वारा मंजूर की गई थी, एवं उसकी विधवा, बीमारी निबों के नाम खरीफ, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं ।

टी० आर० तुली,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,  
राजस्व विभाग ।